A-0214

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

BASL–102

Bachelor of Arts (BA)

(नीतिकाव्य, व्याकरण एवं अनुवाद)

1st Year Examination, Session December 2024

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 2×19=38

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. संस्कृत नीति साहित्य पर विस्तृत निबंध लिखिए।

2. हितोपदेश में वर्णित नीति की विस्तृत व्याख्या कीजिए।

3. नीति कथाओं के विकास एवं महत्व पर एक निबन्ध लिखिए।

4. लघु सिद्धान्त कौमुदी के संज्ञा प्रकरण के आधार पर संहिता, संयोग एवं पद संज्ञा विधायक सूत्रों की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

5. निम्नलिखित गद्यांश का हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

अस्ति कस्मिंश्चिद्वनोद्देशे शमीवृक्षः। तस्य लम्बमानशिखायां कृतावासावरण्य चाकवम्पती वसतः स्म। अथ कदाचित्तयोः सुखसंस्थयोर्हेमन्तः मेघो मन्दं मन्दं वर्षितुमारब्धः। अत्रान्तरे कश्चिच्छाखामृगो वातासारसमाहतः प्रोद्धूलितशरीरो दन्तवीणां वादयन्वेपमानस्तच्छमीमूलमासाद्योपविष्टः। अथ तं तदृशमवलोक्य चटका प्राह– 'भो भद्र।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न 4×8=32

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. निम्नलिखित श्लोकों की व्याख्या कीजिए :

येषां न विद्या न तपो न दानं, ज्ञानं न शीलं न गुणो न धर्मः।

ते मृत्युलोके भुवि भारभूता, मनुष्यरूपेण मृगाश्चरन्ति॥

विद्या नाम नरस्य कीर्तिर्तुला भाग्यक्षये चाश्रयो।

धेनुः कामदुध रतिश्च विरहे नेत्रं तृतीयं च सा॥

2. निम्नलिखित श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

परोक्षे कार्यहन्तारं प्रत्यक्षे प्रियवादिनम्।

वर्जयेत्तादृशं मित्रं विषकुम्भं पयोमुखम्॥

3. नीतिशतकम् के आधार पर 'मूर्ख पद्धति' की विस्तृत व्याख्या कीजिए।

4. प्रत्याहार से क्या तात्पर्य हैं ? प्रत्यहारों की संख्या एवं नामों का उल्लेख कीजिए।

5. प्रातिपदिक, टि एवं निपात संज्ञा विधायक सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

6. 'अकथितं च' सूत्र की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

7. वाच्य से आप क्या समझते हैं ? वाच्य परिवर्तन के नियमों को उदाहरण सहित समझाइए।

8. हिरण्यगर्भ और चित्रवर्ण में सन्धि की कथा का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

****